[This question paper contains 4 printed pages.]

1492 *Your Roll No. .....*

B.A. (Hons.) / I **D**

PHILOSOPHY – Paper II

(Elements of Indian Philosophy)

Time : 3 Hours *Maximum Marks : 75*

(Write your Roll No. on the top immediately on receipt of this question paper.)

Note :– Answers may be written either in English or in Hindi; but the same medium should be used throughout the paper.

टिप्पणी :– इस प्रश्न-पत्र का उत्तर अंग्रेज़ी या हिन्दी किसी एक भाषा में दीजिए; लेकिन सभी उत्तरों का माध्यम एक ही होना चाहिए।

Attempt **Five** *questions in all.*
Question No. **1** *is compulsory.*
All *questions carry equal marks.*

कुल **पाँच** *प्रश्नों के उत्तर दीजिए।*
प्रश्न संख्या **1** *अनिवार्य है।*
सभी *प्रश्नों के अंक समान हैं।*

P.T.O.

1. What is the philosophical significance of the legend of Umā Haimavati in Kenopaniṣad ? Discuss.

केनोपनिषद् में उमा हैमवती की दन्तकथा का दार्शनिक महत्त्व क्या है ? विवेचन कीजिए ।

2. Write an essay on Cārvāka materialism. How does this differ from other schools of Indian philosophy ? Explain.

चार्वाक के भौतिकवाद पर एक निबंध लिखिए । यह भारतीय दर्शन के दूसरे सम्प्रदायों से किस प्रकार भिन्न है ? व्याख्या कीजिए ।

3. Discuss the doctrine of Pratītyasamutpāda of Early Buddhism in relation to the four noble truths.

चार आर्यासत्यों के संबंध में प्रारंभिक बौद्ध दर्शन के प्रतीत्यसमुत्पाद के सिद्धान्त का विवेचन कीजिए ।

4. Critically evaluate the Jaina doctrine of Syādvāda. How is it related to Anekāntavāda ? Discuss.

जैन दर्शन के स्याद्वाद सिद्धान्त का आलोचनात्मक मूल्यांकन कीजिए । यह अनेकान्तवाद से कैसे संबंधित है ? विवेचन कीजिए ।

5. Explain Nyāya doctrine of Pramā and Pramāṇa and discuss Pratyakṣa Pramāṇa as expounded by Nyāya.

प्रमा और प्रमाण के न्याय सिद्धान्त की व्याख्या कीजिए और न्याय द्वारा प्रतिपादित प्रत्यक्ष प्रमाण का विवेचन कीजिए।

6. Discuss the notion of causation with special reference to Sāṁkhya and Nyāya views.

सांख्य एवं न्याय दृष्टि के विशेष संदर्भ में कारणता की अवधारणा का विवेचन कीजिए।

7. Explain and evaluate the doctrine of dharma in Pūrva Mīmāṁsā.

पूर्वमीमांसा में प्राप्त धर्म के सिद्धान्त की व्याख्या एवं मूल्यांकन कीजिए।

8. Write an essay on the nature of Jagat and its relation to Brahman in the philosophy of Advaita.

अद्वैत दर्शन में जगत् के स्वरूप और ब्रह्म के साथ इसके संबंध पर एक निबंध लिखिए।

9. Discuss Rāmānuja's refutation of Saṁkara's doctrine of Māyā.

रामानुज द्वारा शंकर के माया सिद्धान्त के खंडन का विवेचन कीजिए।

10. Write short notes on any **two** on the following :

निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए :

(a) Prakṛti in Sāṁkhya

सांख्य में प्रकृति

(b) Dravya in Vaiśeṣika

वैशेषिक में द्रव्य

(c) Akhyātivāda of Prabhākara

प्रभाकर का अख्यातिवाद

(d) Anātmavāda of Buddhism

बौद्ध दर्शन में अनात्मवाद